आकाशवाणी केन्द्र शिमला

07.07.2025 / प्रादेशिक समाचार / 09:20बजे

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू आज शिमला में राज्य आपदा प्रबंधन पर एक बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इस बैठक में वे प्राकृतिक आपदा के कारण प्रदेश में हुए भारी नुकसान के बाद चलाये जा रहे राहत कार्यों की समीक्षा करेंगे। बैठक में सभी विभागों के सचिवों के अलावा अन्य अधिकारी भी भाग लेंगे।

भाजपा

मण्डी ज़िले के आपदाग्रस्त क्षेत्रों में भाजपा ने अब तक 2 हज़ार से अधिक राहत किटें प्रभावितों तक पहुंचाई हैं। पार्टी अध्यक्ष राजीव बिंदल ने बताया कि आज पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा 5 हज़ार से अधिक राहत किटें प्रभावित इलाकों में पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि राहत किटें पहुंचाने के कार्य की देखरेख के लिए 3 टीमें बनाई गई हैं।

सराज विधानसभा क्षेत्र में 1894 किटें मंडी पहुंचा जाएंगी। 3 हजार किटें हम स्टेंडबाई रखेंगे। करसोग विधानसभा क्षेत्र का हिस्सा है, वहां के लिए 500 से अधिक किटें हमारी जा चुकी है। नाचन के लिए किटें और जो धर्मपुर में नुकसान हुआ है, उसके लिए हमीरपुर जिला में हमारा सारा माल एकत्र हो गया है। हम लगभग 5 हजार किटें बना करके उनको अगले 72 घंटे के अंदर फील्ड में पहुंचाने की दृष्टि से कामयाब हो जाएंगे।

आपदा

मण्डी ज़िले में प्राकृतिक आपदा से सराज विधानसभा क्षेत्र के थुनाग व अन्य इलाकों में भारी क्षति हुई है। उपायुक्त अपूर्व देवगन ने बताया कि जहां बचाव दल राहत व पुनर्वास कार्यों में जुटे हुए हैं वहीं स्वास्थ्य विभाग भी पूरी मुस्तैदी से प्रभावित क्षेत्रों में सेवाएं दे रहा है। विभाग ने लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए 24 मोबाइल मैडिकल टीमें गठित की हैं। उपायुक्त ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग ने विशेष रूप से बुजुर्गों, बच्चों और पहले से बीमार लोगों की नियमित जांच व निगरानी पर बल दिया है।

मौसम

राजधानी शिमला सहित प्रदेश के अधिकांश भागों में आज दिन की शुरूआत खिली धूप के साथ हुई है। इससे लोगों ने राहत की सांस ली है। पिछले दिनों हुई बादल फटने, बाढ़ व भूस्खलन की घटनाओं से प्रदेश के प्रभावित क्षेत्रों में राहत व बचाव कार्य तेजी से जारी हैं। वहीं विभाग ने आज कई जिलों में भारी वर्षा का ऑरेंज अलर्ट जबकि अगले 24 घंटों के दौरान येलो अलर्ट जारी किया है।

भारी बारिश के चलते बादल फटने और भूस्खलन जैसी घटनाएं हो रही है, जिससे प्रशासन द्वारा लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। इस मॉनसून सीज़न के दौरान प्रदेश में अब तक 78 लोगों की मृत्यु हुई है और 37 लोग अभी भी लापता हैं।

मौसम विज्ञान केंद्र शिमला में आज प्रदेश के 8 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया था लेकिन इस बीच आज प्रदेश में सुबह से धूप खिली है जिससे लोगों ने थोड़ी राहत महसूस की है।मौसम साफ होने से मंडी में चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन में आसानी होगी ।साथ ही प्रदेश में 200 से अधिक सड़कें अभी भी भारी बारिश के चलते हुए भूस्खलन से यातायात के लिए बंद पड़ी हैजिनको खोलने में आसानी होगी। वही मंडी में अभी भी 30 लोग लापता है जिनके लिए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम रेस्क्यू ऑपरेशन चला रहा है।

और अब सुर्खिया समाचार पत्रों से.....

बादल फटने की घटनाओं से जुड़ी खबर पर अमर उजाला की सुर्खी है–चंबा–मंडी में फटे बादल, भारी नुकसान, पांच पुल ध्वस्त, हमीरपुर में बही महिला। पंजाब केसरी के शब्द हैं–चंबा के चुराह व चौहार घाटी में बादल फटे, चार पुल बहे।

दिव्य हिमाचल की एक खबर है–किन्नौर से कैलाश मानसरोवर यात्रा शुरू करने को सीएम सुक्खू की पीएम को चिट्ठी। वहीं दैनिक सवेरा टाइम्स व आपका फैसला ने मुख्यमंत्री के बयान को सुर्खी दी है–कैलाश मानसरोवर यात्रा शुरू करने की संभावनाएं तलाशे केंद्र। दैनिक जागरण ने धर्मगुरू दलाइलामा के हवाले से लिखा है–जब अंतिम सांस लूंगा तो उस समय मुझे कोई पाश्चाताप नहीं होगा।